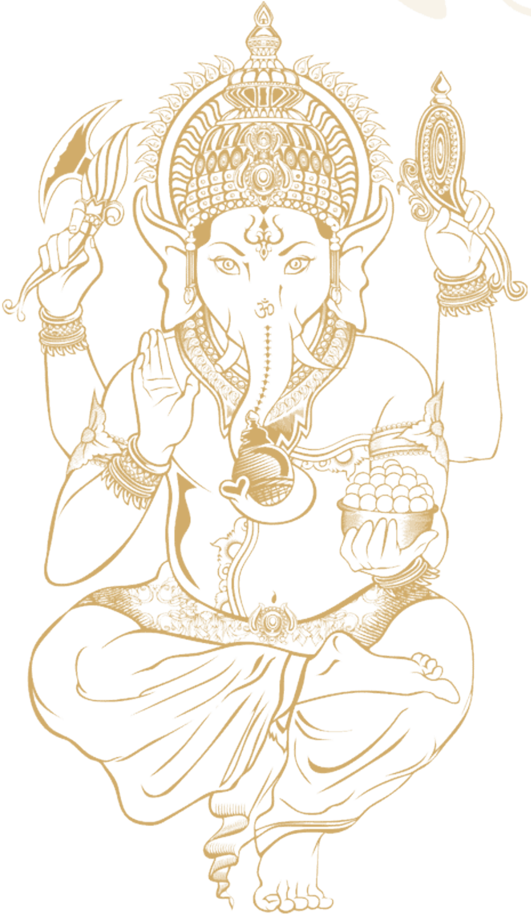

Mohak

Nikita

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121914613

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
05/10/1990	जन्म तिथि	30/07/1993
शुक्रवार	दिन	शुक्रवार
घंटे 09:46:12	जन्म समय	10:45:23 घंटे
घटी 08:17:47	जन्म समय(घटी)	12:36:00 घटी
India	देश	India
Jammu	स्थान	Chandigarh
32:42:00 उत्तर	अक्षांश	30:43:00 उत्तर
74:52:00 पूर्व	रेखांश	76:47:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:30:32	स्थानिक संस्कार	-00:22:52 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:27:05	सूर्योदय	05:39:11
18:10:36	सूर्यास्त	19:18:53
23:43:54	चित्रपक्षीय अयनांश	23:46:20

विंशोत्तरी		अंश	राशि		ग्रह		राशि	अंश	विंशोत्तरी	
बुध 3वर्ष 7मा 12दि		28:50:09	तुला		लग्न		कन्या	17:54:21	**केतु 4वर्ष 7मा 20दि**	
सूर्य		17:56:32	कन्या		सूर्य		कर्क	13:17:28	**चन्द्र**	
18/05/2021		27:09:49	मीन		चंद्र		धनु	04:29:40	**20/03/2024**	
18/05/2027		19:08:11	वृष		मंगल		सिंह	28:14:35	**21/03/2034**	
सूर्य	04/09/2021	05:17:59	कन्या		बुध		मिथु	25:19:22	चन्द्र	19/01/2025
चन्द्र	06/03/2022	15:13:21	कर्क		गुरु		कन्या	15:43:14	मंगल	20/08/2025
मंगल	12/07/2022	10:50:40	कन्या		शुक्र		मिथु	03:07:06	राहु	19/02/2027
राहु	05/06/2023	25:05:28	धनु		शनि	व	कुंभ	04:41:30	गुरु	20/06/2028
गुरु	23/03/2024	11:12:11	मक	व	राहु	व	वृश्चिक	17:05:14	शनि	19/01/2030
शनि	05/03/2025	11:12:11	कर्क	व	केतु	व	वृष	17:05:14	बुध	20/06/2031
बुध	10/01/2026	12:02:47	धनु		हर्ष	व	धनु	25:44:27	केतु	19/01/2032
केतु	18/05/2026	18:06:07	धनु		नेप	व	धनु	25:30:50	शुक्र	19/09/2033
शुक्र	18/05/2027	22:34:58	तुला		प्लूटो	व	तुला	28:57:08	सूर्य	21/03/2034

लग्न-चलित

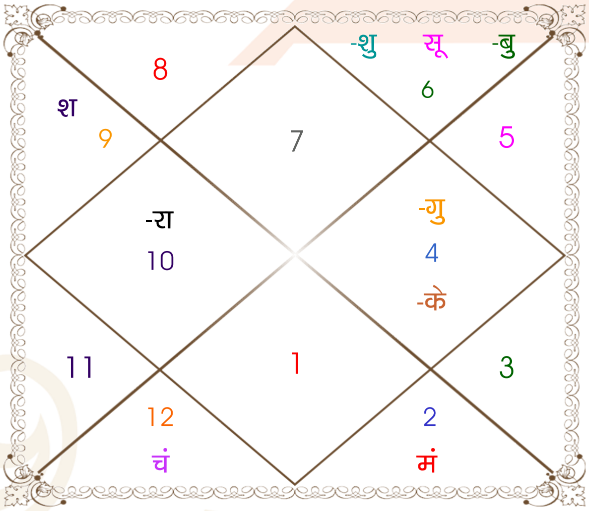

लग्न-चलित

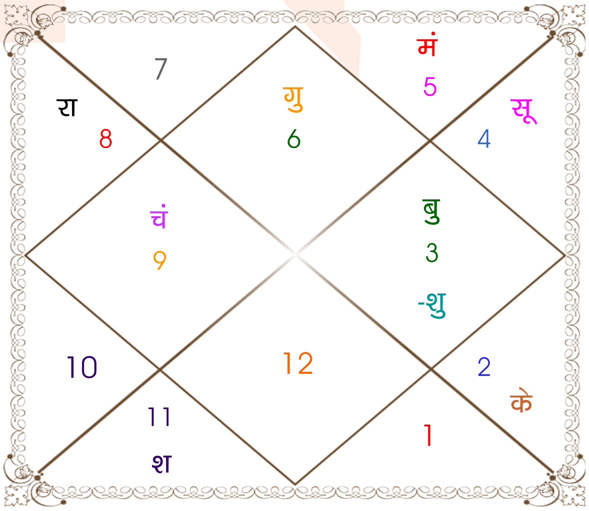

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	क्षत्रिय	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	अतिमित्र	सम्पत	3	3.00	--	भाग्य
योनि	गज	श्वान	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	गुरु	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	राक्षस	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	मीन	धनु	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	28.00		

Mohak का वर्ग सिंह है तथा छपापजं का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर शत्रुता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mohak और छपापजं का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Mohak मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

छपापजं मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु छपापजं कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Mohak कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mohak तथा छपापजं में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।